परियोजना का नाम– जनपद चमोली में विधान सभा क्षेत्र कर्णप्रयाग के अर्न्तगत उमट्टा–बरसाली–मौणा मोटर मार्ग का बैरफाला–काण्डा तक विस्तारीकरण का निर्माण कार्य।

भू–वैज्ञानिक की आख्या

संलग्नः–

Scanned by CamScanner

(10) (82)

कार्यालय भूवैज्ञानिक,
भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई,
जिला टास्क फोर्स, चमोली एवं रूद्रप्रयाग, मुख्यालय गोपेश्वर

सेवा मे,

अधिशासी अभियन्ता,
प्रान्तीय खण्ड,
लोक निर्माण विभाग, कर्णप्रयाग।

पत्रांकः 500 /जि0टा0फो0च0/मोटर मार्ग/2016–17, दिनांक 30 मार्च, 2017

विषयः जनपद चमोली, विधानसभा क्षेत्र कर्णप्रयाग के अन्तर्गत उमट्टा–बरसाली मोटर मार्ग का बैरफाला काण्डा तक विस्तारीकरण हेतु संरेखण स्थल की भूगर्भीय सर्वेक्षण आख्या।

महोदय,

उपरोक्त विषयक पत्र संख्या 3372/10 एमएन, दिनांक 19.11.2016, का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो कि भूवैज्ञानिक, जिला टास्क फोर्स चमोली/रूद्रप्रयाग (अतिरिक्त प्रभार) को सम्बोधित है तथा जिसके द्वारा उपरोक्त संरेखण स्थल की भूगर्भीय सर्वेक्षण आख्या की अपेक्षा की गयी है, के क्रम मे अधोहस्ताक्षरी द्वारा उक्त स्थल का भूगर्भीय सर्वेक्षण सम्पन्न कर सर्वेक्षण आख्या सुलभ संदभार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित की जा रही है।

सलग्न : उपरोक्तानुसार।

भवदीय,

सहायक भूवैज्ञानिक/
प्रभारी अधिकारी।

पृष्ठांक : /जि0टा0फो0च0/मोटर मार्ग/2016–17, तद्दिनांकित।

प्रतिलिपि : 1. जिलाधिकारी महोदय, चमोली को सूचनार्थ प्रेषित।
2. संयुक्त निदेशक, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून को सूचनार्थ प्रेषित।

सहायक भूवैज्ञानिक/
प्रभारी अधिकारी।

छायाप्रति सत्यापित

सहायक अभियन्ता
प्रा. खण्ड लो0 नि0 वि0
कर्णप्रयाग (चमोली)

Scanned by CamScanner

जनपद चमोली, विधानसभा क्षेत्र कर्णप्रयाग के अन्तर्गत उमट्टा–बरसाली मोटर मार्ग का बैरफाला काण्डा तक विस्तारीकरण हेतु संरेखण स्थल की भूगर्भीय सर्वेक्षण आख्या

अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, कर्णप्रयाग के पत्र संख्या 3372/10 एमएन, दिनांक 19.11.2016, जो कि भूवैज्ञानिक, जिला टास्क फोर्स चमोली/रूद्रप्रयाग (अतिरिक्त प्रभार) को सम्बोधित है तथा जिसके द्वारा जनपद चमोली, विधानसभा क्षेत्र कर्णप्रयाग के अन्तर्गत उमट्टा–बरसाली मोटर मार्ग का बैरफाला काण्डा तक विस्तारीकरण हेतु मोटर मार्ग संरेखण स्थल की भूगर्भीय सर्वेक्षण आख्या की अपेक्षा की गयी है, के क्रम मे अधोहस्ताक्षरी द्वारा श्री अभिषेक रावत, कनिष्ठ अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लोक निर्माण विभाग, कर्णप्रयाग की उपस्थिति में भूगर्भीय सर्वेक्षण सम्पन्न किया गया। भूगर्भीय सर्वेक्षण आख्या निम्नवत है :–

पहुँच/अवस्थिति :

प्रश्नगत मोटर मार्ग संरेखण स्थल बरसाली से आगे बैरफाला काण्डा तक मोटर मार्ग निर्माण हेतु संरेखण प्रस्तावित है। संरेखण का निर्माण उमट्टा बरसाली निर्माणाधीन मोटर मार्ग के कि0मी0 05 से आगे प्रारम्भ कियां जाना है। स्थलीय निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि उक्त संरेखण की कुल लम्बाई 05 कि0मी0 प्रस्तावित है। उक्त संरेखण के निर्माण से उसके मध्य पड़ने वाले कतिपय ग्राम व तोक मोटर मार्ग से जुड सकते हैं।

भूआकृति/भूगर्भीय तथ्य :

उक्त मोटर मार्ग संरेखण अलकनन्दा नदी के बायें तट के अपस्लोप/पहाड़ी ढालों पर निर्माण हेतु प्रस्तावित किया गया है। जिसमें संरेखण को भिन्न–भिन्न फेसिंग के पहाड़ी ढालों से गुजारा जाना है जिसमें कतिपय स्थलों पर लगभग ऊर्ध्वाधर पहाड़ी ढाल तथा कतिपय स्थलों पर सीढ़ीनुमा कृषियुक्त खेत जो कि अधिकांशतः मृदा बाहुल्य क्षेत्रों के रूप मे विद्यमान हैं। स्थल का सामान्य पहाड़ी ढाल लगभग $20^0–45^0$ उत्तरपूरब, दक्षिणपश्चिम तथा कतिपय स्थलों पर ऊर्ध्वाधर पहाड़ी ढाल के रूप मे विद्यमान है। उक्त संरेखण मे 08 हेयरपिन बैण्ड्स का प्राविधान किया गया है। संरेखण निर्माण मे बैण्ड्स का प्राविधान इस प्रकार किया जाय कि हेयरपिन बैण्ड्स एक–दूसरे के ऊपर तथा गुजरने वाली आर्म्स के मध्य उचित दूरी विद्यमान हो सके।

संरेखण मुख्यतः गढ़वाल समूह की चट्टानों के मध्य अवस्थित क्षेत्र हैं जिसमें स्थल के उत्तर मे मुख्य केन्द्रीय भ्रंश तथा दक्षिण मे उत्तर अल्मोड़ा थ्रस्ट गुजरता है। संरेखण के मध्य मुख्यतः क्वार्जिटिक, फिलिटिक व शिष्ट प्रकृति की चट्टानें विद्यमान हैं जिसमें शिष्ट प्रकृति की चट्टानें कतिपय स्थलों पर हाइंली वेदर्ड प्रकृति के साथ विद्यमान हैं तथा मृदा बाहुल्य क्षेत्रों के कतिपय स्थलों पर नालों के द्वारा तट कटाव क्षेत्र भी दृष्टिगोचर होते हैं। प्रस्तावित मार्ग संरेखण मे चट्टानों की नति 190^0 उत्तर तथा 65^0 पूरब फेसिंग के साथ क्वार्टजिटिक प्रकृति की चट्टानें विद्यमान हैं। उक्त चट्टानों मे नति व पहाड़ी ढाल कतिपय स्थलों पर एक ही दिशा मे विद्यमान है। जिसके लिए कतिपय स्थलों पर उचित सिविल भूअभियांत्रिकी मेजर्स का उपयोग कर मार्ग को संरक्षित किया जाना होगा।

द्वारा प्रति हस्ताक्षरित

सहायक अभियन्ता
प्रा. खण्ड लो0 नि0 वि0
कर्णप्रयाग (चमोली)

उक्त क्षेत्रान्तर्गत मृदा की मोटाईयुक्त परत विद्यमान है जिससे अधोभूमि मे स्वस्थाने चट्टानें निचले भूभाग में विद्यमान हो सकती हैं। उक्त क्षेत्रान्तर्गत चट्टानें कतिपय स्थलों पर वेदर्ड प्रकृति की दृष्टिगोचर होती हैं। उक्त क्षेत्र मे कटाव के पश्चात् भराव क्षेत्र को कॉम्पेक्ट किया जाना उचित होगा जिससे मोटर मार्ग को स्थायित्व प्रदान हो सके।

मोटर मार्ग निर्माण हेतु संरेखण स्थल पर निम्न सुझाव एवं शर्तों के साथ विचार किया जाय :–

1. संरेखण स्थल वन भूमि होने की दशा में माननीय उच्चतम न्यायालय के वन संरक्षण अधिनियम–1980 तथा पर्यावरण संरक्षण अधिनियम–1986 में निहित सम्पूर्ण प्राविधानों के अनुरूप वन विभाग से समुचित अनुमति प्राप्त करने के उपरान्त ही निर्माण कार्य प्रारम्भ किया जाय।
2. सम्पूर्ण मोटर मार्ग संरेखण मे मजबूत रिटेनिंग वाल व ब्रेस्टवाल (वीप हॉल सहित) जहाँ आवश्यक हो, निर्माण किया जाय।
3. संरेखण के निचले ढाल पर अवस्थित मोटर मार्ग की सुरक्षा हेतु कटाव क्षेत्र से उत्सर्जित मटिरियल को निचले पहाड़ी ढालों पर कदापि न फैलाया जाय।
4. पर्वतीय क्षेत्रों मे मोटर मार्ग निर्माण के लिए प्रस्तावित सिविल भूअभियांत्रिकी के अन्य मानकों एवं विशिष्टियों का कड़ाई से पालन किया जाय।
5. मोटर मार्ग के सतही जल प्रवाह को सुव्यवस्थित एवं सुनियोजित ढंग से पक्की नालियों द्वारा नियन्त्रित कर कॉजवे स्कपर व सुरक्षित स्थल/नालों में निक्षेपित किया जाय।
6. संरेखण स्थल पर सम्भावित भूस्खलन/भूधसांव से बचाव के लिए आवश्यक सुरक्षा उपाय किये जांय।
7. मोटर मार्ग संरेखण स्थल पर रिटेनिंग वाल व ब्रेस्टवाल का आधार दृढ़ व कठोर ताजा (फ्रेश) चट्टानों अथवा उचित सिविल भूअभियांत्रिकी तकनीक के साथ रखा जाय।
8. मोटर मार्ग संरेखण कटाव के पश्चात् कतिपय स्थलों पर अपस्लोप व डाउनस्लोप प्रभावित हो सकते हैं जिसके लिए उचित प्रबन्ध किये जांय।
9. चूंकि उक्त स्थल भारतीय सीजमिक मानचित्र मे भूकम्पीय जोन मे वर्गीकृत है अतः लघु से मध्यम तथा यदाकदा अधिक तीव्रता के भूकम्पन्नों से स्थल के प्रभावित होने की सम्भावना से नकारा नही जा सकता है।
10. मोटर मार्ग संरेखण कटाव से उत्सर्जित मलवा पहाड़ी ढालों पर न फैलाकर किसी सुरक्षित स्थल पर बिछाया/इकट्ठा किया जाय अन्यथा निचले भूभाग पर अवस्थित क्षेत्रों मे वर्षाकाल के दौरान जल प्रवाह से मृदा व चट्टानों के प्रवाह के साथ निचले भूभागों मे भूधसांव/भूस्खलन क्षेत्र जनित हो सकते हैं।

प्रस्तावित स्थल पर एकत्रित किये गये सतही आंकड़ों, भूआकृति, भूप्रकृति एवं भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से उपरोक्त सुझाव व शर्तों के साथ प्राकृतिक आपदाओं को छोड़कर संरेखण स्थल, वर्तमान परिस्थितियों मे मोटर मार्ग संरेखण निर्माण हेतु उपयुक्त प्रतीत होता है।

द्वारा प्रति सत्यापित

सहायक अभियन्ता
प्रा. खण्ड लो० नि० वि०
कर्णप्रयाग (चमोली)

(अनित गौरव)
सहायक भूवैज्ञानिक

Scanned by CamScanner